(b) the unit-wise order book position;

(c) the corporate and unit-wise short and long term plan to arrest the loss; and

(d) the present status, of dues from DOT and MTNL?

THE MINISTER OF INDUSTRY (SHRI MURASOLI MARAN): (a) Hindustan Cables Ltd. (HCL) has been incurring losses since 1995-96. The main reasons for loss by HCL are low production due to acute shortage of working capital and huge sundry debtors alongwith excessive manpower cost and high interest charges.

(b) The Corporate Division procures order for telecom cables from DOT/MTNL and distributes them to the Units. All orders pertaining to Optical Fibre Cables, Accessories & Systems are given to Naini Unit and Turnkey Division of.the company whereas the Jelly Filled Cables orders are distributed between the Rupnarainpur and Hyderabad Units according to their capacity to service the orders. The orders secured by the comapny during the current year upto October, 1996 are as follows;—

(Rs. in crores)

Item	Physical	Financial
Jelly Filled Cables	26.56 LCKM	214.00
Optical Fibre Cables	17000) FKM	21.17
Accessories & Systems		3.83
Turnkey & others		135.00
		374.00

(c) (i) Government has given guarantee for HCL's overdrawal against Cash Credit account.

(ii) DOT has released a part of the outstanding dues.

(iii) IPC has reduced the margin money requirement for their loan to HCL from 30% to 10%.

(iv) Financial assistance under NRF is being given for implementation of VRS and reduction of fixed cost.

(d) A sum of Rs. 119.59 crores is pending for settlement with DOT & MTNL for a long time even though HCL had been representing these cases from time to time. Recently DOT has agreed to pay Rs. 31 crores out of the old dues against which an adhoc payment of Rs. 15 crores has been received by HCL.

हैदराबाद स्थित एच.एम.टी. के लैंप एकक का बन्द होना

1041. श्री महेश्वर सिंह: क्या उद्योग मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या यह सच है कि हैदराबाद स्थित एच.एम. टी. का लैंप एकक अब कोई उत्पादन नहीं कर रहा है और अपनी हानियों के कारण अब बंद हो गया है;

(ख) यदि हां, तो इसकी स्थापना से अब तक वर्ष-वार कितना घाटा हुआ और उसके क्या कारण हैं;

(ग) इस एकक के बंद होने से कितने लोग बेरोजगार हो गये हैं;

(घ) क्या सरकार ने इस एकक को घाटे से उबारने के लिए कोई योजना बनाई है;

(ङ) क्या यह भी सच है कि इस एकक को ग्वालियर स्थित ओसरम कंपनी को बेचने की योजना है; और

(च) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है?

उद्योग मंत्री (श्री मुरासोली मारन): (क) से (ग) हैदराबाद में स्थित एच.एम.टी. के लैम्प एकक का जो 1976 में अपने आरंभ से ही लगातार घाटे में चल रहा था यथा 31.3.1996 को संचित घाटा 130.63 करोड़ रुपये था। प्रौद्योगिकी की पुरातनता तथा अत्यधिक जनशक्ति लागत घाटे के प्रमुख कारण हैं। इकाई में उत्पादन जो पहले ही निम्न स्तर पर था, मई, 1996 से रूक गया है। 1304 कर्मचारियों को वेतन तथा मजदूरी का भुगतान किया जा रहा है।

(घ) से (च) विद्यमान निर्माणकारी प्रौद्योगिकी के उन्नयन तथा अपेक्षित निधियां एकत्र करने के लिए, संयुक्त उद्यमों/स्वयं को संचित करने हेतु निविदाएं आमंत्रित करने के लिए एक खुला विज्ञापन अगस्त, 1996 में दिया गया था। पश्चिम जर्मनी के मैसर्स ओसरम ने जानकारी ज्ञापन तथा बोली का फार्म लिया है।